

सुपार्श्व वि. (तत्.) 1. सुंदर पार्श्व वाला पुं. 1. परास पीपल, गर्दभांड 2. एक प्राचीन पर्वत 3. एक पौराणिक पीठ स्थल 4. जैन धर्म में, सातवें तीर्थंकर 5. जटायु के भाई संपाती के पुत्र का नाम।

सुपास पुं. (तद्.) सुख-सुविधा, आराम।

सुपिंगला स्त्री. (तत्.) 1. जीवंती, डोडी शाक 2. मालकंगनी।

सुपिनंतर पुं. (तद्.) स्वप्न में, स्वप्न का या स्वप्न में।

सुपीत वि. (तत्.) 1. सुंदर पीले रंग का 2. अच्छी तरह पीया हुआ 3. जिसने जी भरकर पीया हो।

सुपीन वि. (तत्.) बहुत पुष्ट, बड़ा, भारी या मोटा।

सुपुत्र पुं. (तत्.) 1. अच्छा, सुशील और सुयोग्य पुत्र 2. जीवक पुत्र।

सुपुत्रिका वि. (तत्.) अच्छे पुत्र या पुत्रों वाली स्त्री।

सुपुरुष पुं. (तत्.) 1. सुंदर, श्रेष्ठ पुरुष 2. सज्जन, सत्पुरुष।

सुपुर्द वि. (फा.) सौपा हुआ।

सुपुर्दुगी स्त्री. (फा.) सोंपने की क्रिया/भाव, सोंपना।

सुपुषक पुं. (तत्.) 1. शिरीष वृक्ष 2. मुचकुंद 3. बड़ी सेवती।

सुपुष्करा स्त्री. (तत्.) स्थलकमलिनी, स्थलपद्मिनी।

सुपुष्पा स्त्री. (तत्.) 1. कोशातकी, तरौई, तुरई 2. द्रोणपुष्पी 3. सोंफ।

सुपुष्पिका स्त्री. (तत्.) 1. एक प्रकार का विधारा, जीर्णदारू 2. सोंफ 3. सोआ नामक साग 4. पाताल गारुड़ी।

सुपुष्पी स्त्री. (तत्.) 1. श्वेत अपराजिता, सफेद कोपल लता 2. सोंफ 3. केला 4. सोआ नामक साग।

सुपुष्य वि. (तत्.) 1. सुंदर फूलों से युक्त, सुंदर पुष्पों वाला पुं. 1. लौंग, लवंग 2. परास पीपल 3. मुचकुंद वृक्ष 4. शहतूत 5. शिरीष वृक्ष, सिरिस

का पेड़ 6. बड़ी सेवती 7. सफेद मदार 8. देवदार 9. पुंडेरी 10. हरिद्र 11. हलदुआ।

सुपूत पुं. (तत्.) सुपुत्र वि. अत्यंत पूत या पवित्र।

सुपूती स्त्री. (तद्.) 1. सुपूत होने की अवस्था या भाव 2. सुपूत का कोई कौशल, वीरतापूर्ण कार्य 3. स्त्री जो सुपूतों की जननी हो।

सुपूर पुं. (तत्.) बिजौरा नींबू वि. 1. जिसे अच्छी तरह भरा जा सके 2. खूब भरा हुआ 3. जो कार्य सहज में पूरा हो सके।

सुपूरक पुं. (तत्.) 1. अगस्त वृक्ष 2. बिजौरा नींबू।

सुपूरन वि. (तत्.) सुपूर्ण।

सुपूर्ण वि. (तत्.) 1. संपूर्ण 2. अच्छी तरह भरा हुआ।

सुपेत/सुपेद वि. (देश.) सफेद, श्वेत।

सुपेती/सुपेदी स्त्री. (देश+फा.) सफेदी।

सुपेदा पुं. (देश.) सफेदा।

सुपेदी स्त्री. (फा.) 1. ओढ़ने की रजाई 2. बिछाने की तोशक 3. बिछौना, बिस्तर 4. दे. सफेदी।

सुपेम पुं. (तद्.) सुंदर प्रेम, श्रेष्ठ प्रेम, अनन्य प्रेम।

सुपेसल वि. (तद्.) 1. कोमल और गुदगुदा 2. अति पेशल।

सुपोष वि. (तत्.) जिसका पालन-पोषण सहज में हो सकता हो।

सुपोषण पुं. (तत्.) सरलता-सहजता से होने वाला पोषण 2. उत्तम पालन-पोषण।

सुप्त वि. (तत्.) 1. सोया हुआ, शयित, निद्रित 2. (फूल) जो खिला हुआ न हो 3. निष्क्रिय 4. शिथिल, सुस्त 5. (गुण/प्रभाव/शक्ति) आदि जो दबा हुआ हो और सक्रिय न हो।

सुप्तक पुं. (तत्.) निद्रा, नींद।

सुप्तकज्ञान पुं. (तत्.) स्वप्न, सपना।

सुप्तघ्न वि. (तत्.) 1. सुप्त/सोए हुए प्राणी पर वार (आघात) करने वाला 2. हिंसक।